OM - 18 - 2021 FINAL FILE_Page 1 and 2 11/29/2021 11:31 AM Page 9

समर्पण से मिलता है परमात्मा का प्यार

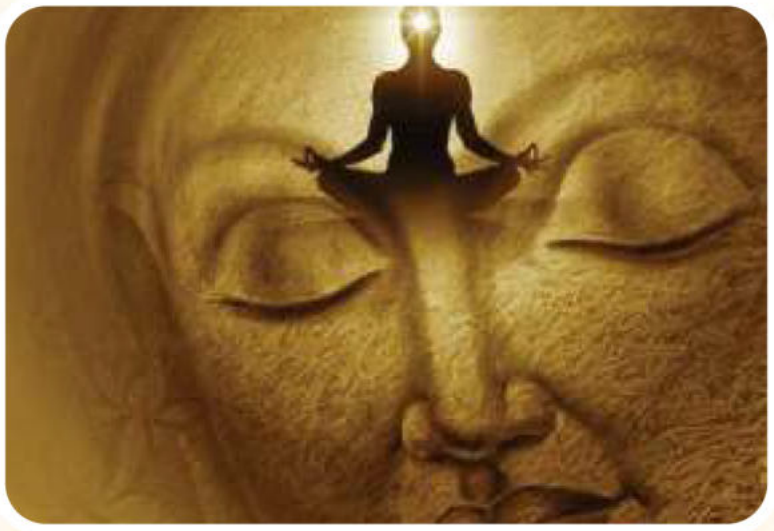

कौन नहीं जानता कि मन चंचल है। वह निरंतर संकल्पों का प्रवाह फैला रहा है। वे संकल्प विभिन्न व्यक्तियों व परिस्थितियों से प्रभावित होकर चल रहे हैं। ऐसे योगी तो गिनती के ही होंगे जो स्वेच्छानुसार मन की धारा को मोड़ने में समर्थ हैं। प्रायः तो मन का वेग ही मनुष्य को अपनी धारा में बहा ले जाता है। मन में सतत फूटने वाली ये धारायें विभिन्न रूप से भी परमात्मा तक पहुंच जाये यही है मन का समर्पण। हमें यह देखना चाहिये कि क्या मन में वो ही संकल्प उठ रहे हैं जो ईश्वर को पसंद हैं? कोई भी कार्य ऐसा ना हो, जो ईश्वरीय कार्यों में विघ्न बनता हो। प्रकृति के लिए अभिशाप हो और मनुष्यों के लिए अकल्याणकारी हो। मन की इस सूक्ष्म शक्ति का आभास होना ईश्वरीय समर्पण का भाव दर्शाता है।

विवेकशील प्राणी का विवेक मनुष्य की जीवन रूपी गाड़ी को बरबस पतन के मार्ग पर खींच रहा है। बुद्धि का अहंकार उसे परेशानी की चिंगारियों में झुलसा रहा है। ज्यों-ज्यों मन सांसारिकता में लिप्त होता जा रहा है, मन का चैन लुट रहा है। मन की व्याकुलता बढ़ रही है। धन की अधिकता मन का सुख छीन रही है। क्योंकि मनुष्य ने धन इक्ट्ठा करना तो सीख लिया है परन्तु वह उसके सदुपयोग की कला भूल गया है। लक्ष्मी तो चंचल है वह कभी किसी के घर की शोभा बढ़ाती है, तो कभी अन्य को मालामाल कर देती है। फिर भी धन का अहंकार कभी कम नहीं होता। धन का नशा उसे पागल बना देता है। वह अपनी सीमाओं को भी भूल बैठता है और मदमस्त हाथी की तरह अपने विवेक को खो देता है। तब ही तो लक्ष्मी का वाहन उल्लू दिखाया है क्योंकि अत्यधिक धन बुद्धि को मलीन करने लगता है और यही कारण है कि सरस्वती के वत्सों को सदैव धनाभाव का कष्ट सहना पड़ता है।

अतः राजयोग के पथ पर निरंतर प्रगति के अभिलाषी महान विभूतियों को, अनेक सिद्धियों के स्वामी बनने की अभिलाषा रखने वालों को एकाग्रता व एकांत समर्पण की गहनता को भी स्वीकार करना चाहिये। समर्पण एक सतत प्रयास है। जो विभिन्न पहलुओं पर अपना ध्यान लगाये रहेंगे। हमारे पास हमारा तन-मन-बुद्धि व निरंतर किये जाने वाले कार्य हैं। यों तो कलियुग में मनोविकास भी मनुष्य की निधि या सम्पत्ति बन चुके हैं और ये विकास ही धीरे-धीरे उनकी उन्नति में बाधा बनते जाते हैं। लोभ-लालच वश होकर वे सद्कार्यों की ओर बढ़ नहीं पाते। अतः जो साधक सच्चे दिल से अपने मनोविकारों को स्वाहा करते हैं उनका सारा विष परमात्मा शिव द्वारा हलाहल कर लिया जाता है। और बदले में उन्हें मिलता है दैदीप्यमान उज्जवल दिव्य व निर्मल जीवन।

ब्र.कु. निर्मला अग्रवाल,शुजालपुर मंडी

एक नई सोच

{जीवन की सुन्दरता}

जीवन की सुंदरता मनुष्य के आपसी तालमेल से जीने में है, सभी रिश्तों को साथ लेकर चलने में है। लेकिन कई बार हम छोटी बातों के कारण अपना बड़ा नुकसान कर लेते हैं और रिश्तों में दूरियां ले आते हैं। कभी-कभी हम सोचते हैं कि हमें कोई फर्क नहीं पड़ता कोई हमारे बारे में क्या सोचता है, हम तो बिल्कुल सही हैं...।

लेकिन हम ये भूल जाते हैं कि फर्क तो बहुत पड़ता है, लोगों के मन में हमारे प्रति उठने वाले संकल्प, हमारे मन की स्थिति को प्रभावित करते हैं। इसलिए हमें "मुझे परवाह नहीं" की जगह पर "मुझे सबकी परवाह है" ये सोचना है।" तो आइए हम सभी इसका अभ्यास करेंगे अर्थात् इसे जीवन में लाएंगे तो हम स्वयं से सदा खुश रहेंगे और दूसरे भी हमसे खुश और संतुष्ट रहेंगे।

कायमगंज-फर्रुखाबाद(उ.प्र.)। भाजपा केन्द्रीय राज्यमंत्री अन्नपूर्णा जी, एवीएन सांसद मुकेश राजपूत एवं डॉ. मिथिलेश अग्रवाल को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् ओम शान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. मिथिलेश बहन।

रायपुर-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति शिखर भवन में आयोजित 'दीपावली मिलन समारोह' में दीप प्रज्वलित करते हुए पं. कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव शर्मा, छ.ग. उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एवं पूर्व लोकायुक्त न्यायमूर्ति लाल चन्द भादू, क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. कमला दीदी तथा अन्य।

मुम्बई-मलाड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा विश्व यादगार दिवस पर लिबर्टी गार्डन में आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए डॉ. श्याम अग्रवाल,आई सर्जन एंड सोशल वर्कर, रमेश पवार,एस.आई.,ट्राफिक डिपार्टमेंट,मलाड, राजयोगिनी ब्र.कु. कुंती बहन,नेशनल कोऑर्डिनेटर,ट्रान्सपोर्ट एंड ट्रैवल विंग,ब्रह्माकुमारीज़ ब्र.कु. शोभा बहन तथा अन्य।

जम्मू। चन्द्र मोहन गुप्ता,मेयर,जे.एम.सी. को भाई दूज के अवसर पर तिलक लगाते हुए ब्र.कु. सुदर्शन बहन। साथ हैं शीला हांडू,डायरेक्टर,रेलवे बोर्ड।

भोपाल-रोहित नगर(म.प्र.)। सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों की स्मृति में विश्व यादगार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सड़क पर पीड़ितों की याद में फूलों से श्रद्धांजलि के शब्द लिखे गये एवं सैकड़ों भाई-बहनों द्वारा दीप जलाकर उन्हें स्नेहपूर्ण भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर अपने सम्बोधन के पश्चात् सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. डॉ. रीना बहन ने सभी को यातायात नियमों के पालन की प्रतिज्ञा कराई।

फतेहपुर-बाराबंकी(उ.प्र.)। दीपावली पर्व पर एस.डी.एम. को ईश्वरीय सौगात भेंट कर शुभकामनायें देते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शीला बहन।

तलेन-म.प्र.। 'स्नेह मिलन एवं भैया दूज' के कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए उमाशंकर मुखाती,टी.आई., शिव प्रसाद शर्मा,मालिक,अन्नपूर्णा ट्रैवल्स, संजू भट्टर,नगरपालिका अध्यक्ष, लाड सिंह टेदार,भूमि डीलर, पत्रकार मुकेश यादव, ब्र.कु. लक्ष्मी बहन, ब्र.कु. मधु बहन तथा अन्य।

बांटवा-गुज.। दीपावली एवं नव वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित 'अलौकिक स्नेह मिलन' कार्यक्रम में राजूभाई अम्बुरम वाधवानी,वाइस प्रेसीडेंट,नगरपालिका,बांटवा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. रामनाथ भाई,मुख्यालय संयोजक,धार्मिक सेवा प्रभाग,माउण्ट आबू, ब्र.कु. हरीश भाई,मुख्यालय संयोजक,प्रशासनिक सेवा प्रभाग,माउण्ट आबू तथा ब्र.कु. मधु बहन,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका।